करियर शीट · CAREER SHEET

Cricket Umpire

क्रिकेट अंपायर मैदान पर खेल का सबसे अहम अधिकारी होता है — वह क्रिकेट के नियमों (एमसीसी लॉज़ और बीसीसीआई/आईसीसी प्लेइंग कंडीशन्स) को लागू करता है, हर गेंद पर आउट, वाइड, नो-बॉल, एलबीडब्ल्यू जैसे फ़ैसले लेता है, स्कोर व ओवरों का...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/cricket-umpire

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

क्रिकेट अंपायर मैदान पर खेल का सबसे अहम अधिकारी होता है — वह क्रिकेट के नियमों (एमसीसी लॉज़ और बीसीसीआई/आईसीसी प्लेइंग कंडीशन्स) को लागू करता है, हर गेंद पर आउट, वाइड, नो-बॉल, एलबीडब्ल्यू जैसे फ़ैसले लेता है, स्कोर व ओवरों का हिसाब रखता है और खिलाड़ियों के बीच अनुशासन व निष्पक्षता बनाए रखता है। भारत में यह करियर गली-मोहल्ले के क्रिकेट से शुरू होकर राज्य क्रिकेट संघ, फिर बीसीसीआई पैनल और आगे आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल तक जाता है। यह उन युवाओं के लिए शानदार रास्ता है जो खेल तो प्यार करते हैं पर खिलाड़ी बनने के बजाय खेल को चलाने वाले बनना चाहते हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं पास + 18 वर्ष; क्रिकेट नियमों की गहरी समझ
पात्रता का रास्ता	राज्य संघ अंपायर परीक्षा → बीसीसीआई लेवल 1/2 → पैनल
आरंभिक वेतन	राज्य/जूनियर मैच ₹2,000–5,000/दिन के आसपास
कार्य-शैली	सीज़नल मैच-आधारित; मैदान पर पूरा दिन खड़े रहना

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- क्रिकेट के नियमों और खेल को गहराई से समझने में रुचि
- खेल को खिलाड़ी के बजाय अधिकारी के रूप में चलाने की चाह
- निष्पक्ष रहकर फ़ैसले लेने और न्याय करने का उत्साह

क्षमताएँ

- तेज़ नज़र, अच्छी सुनवाई और लंबे समय तक एकाग्रता
- पूरे दिन मैदान पर खड़े रहने की शारीरिक फिटनेस
- दबाव में शांत रहकर पल भर में सही निर्णय लेना

ज़रूरी कौशल

- क्रिकेट के नियमों (एमसीसी लॉज़ व बीसीसीआई/आईसीसी कंडीशन्स) की पूरी जानकारी
- दबाव में तेज़ और सटीक निर्णय-क्षमता
- हर गेंद पर लगातार एकाग्रता और सतर्कता बनाए रखना
- पूर्ण निष्पक्षता, तटस्थता और ईमानदारी

- स्कोरिंग, ओवर-गणना और सिग्नल (आउट, वाइड, नो-बॉल आदि) का ज्ञान
- डीआरएस/तकनीक और आधुनिक मैच-प्रोटोकॉल की समझ
- खिलाड़ियों को संभालना और मैदान पर अनुशासन बनाए रखना

4 कैसे पहुँचें

1. क्रिकेट के नियम गहराई से पढ़ें और स्थानीय/क्लब क्रिकेट में अंपायरिंग का अनुभव लें।
2. अपने राज्य क्रिकेट संघ (जैसे राजस्थान क्रिकेट संघ) में पंजीकरण कराकर राज्य अंपायर सर्टिफिकेशन कोर्स व परीक्षा दें (थ्योरी + प्रैक्टिकल + वाइवा)।
3. राज्य पैनल पर 2–3 साल जूनियर/राज्य मैच अंपायर करें और हर मैच के बाद अच्छी रिपोर्ट व रिफ्रेशर परीक्षा पास करें।
4. अच्छे प्रदर्शन पर बीसीसीआई लेवल 1 अंपायर परीक्षा (थ्योरी) दें।
5. बीसीसीआई लेवल 2 परीक्षा (थ्योरी + प्रैक्टिकल + वाइवा) पास कर 'बीसीसीआई अंपायर' का दर्जा पाएं।
6. बीसीसीआई पैनल पर रणजी जैसे घरेलू मैच करते हुए आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल और आगे एलीट पैनल तक पहुँचें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- राज्य क्रिकेट संघ अंपायर सर्टिफिकेशन परीक्षा (थ्योरी + प्रैक्टिकल + वाइवा)
- बीसीसीआई अंपायर लेवल 2 परीक्षा (थ्योरी + प्रैक्टिकल + वाइवा)
- बीसीसीआई अंपायर लेवल 1 परीक्षा (थ्योरी)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) – अंपायर सर्टिफिकेशन — जयपुर, राजस्थान (https://www.cricketrajasthan.in/)
- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) – अंपायर एजुकेशन — मुंबई / अखिल भारतीय (https://www.bcci.tv/)

निजी संस्थान

- ICC Academy – Officiating / Umpiring Courses — अंतरराष्ट्रीय (दुबई) / ऑनलाइन

ऑनलाइन

- MCC – The Laws of Cricket (नियमों का अध्ययन) — ऑनलाइन (https://www.lords.org/mcc/the-laws-of-cricket)
- ICC Academy – Online Officiating Courses — ऑनलाइन (https://www.iccacademy.com/)

फ़ीस

राज्य क्रिकेट संघों की अंपायर सर्टिफिकेशन परीक्षा व कोर्स की फीस बहुत कम (प्रायः कुछ सौ से कुछ हज़ार रुपये) होती है और नियमों की किताब (एमसीसी लॉज़) मुफ़्त/ऑनलाइन उपलब्ध है। बीसीसीआई लेवल 1/2 परीक्षाएँ बोर्ड द्वारा आयोजित होती हैं। आईसीसी एकेडमी के औपचारिक ऑफ़िशिएटिंग कोर्स की फीस अलग होती है। मुख्य 'निवेश' पैसे से ज़्यादा नियमों का गहन अध्ययन और अनुभव है।

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

क्रिकेट स्टेडियम व मैदान, राज्य संघ के जिला व लीग मैच, रणजी ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट, आईपीएल और आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय मैच।

कार्य-संस्कृति

काम मौसमी और मैच-आधारित है — घरेलू सीज़न में लगातार यात्रा और पूरे दिन (कई बार 4 दिन के मैच में) मैदान पर खड़े रहना पड़ता है। अत्यधिक निष्पक्षता, अनुशासन और दबाव झेलने की क्षमता ज़रूरी है। महिला अंपायरों के लिए भी अवसर तेज़ी से बढ़ रहे हैं।

कौन नौकरी देता है

- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI)
- राज्य क्रिकेट संघ (जैसे राजस्थान क्रिकेट संघ, मुंबई क्रिकेट संघ)
- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अंपायर व मैच अधिकारी पैनल
- इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) और अन्य फ्रैंचाइज़ी लीग
- जिला क्रिकेट संघ और स्कूल/यूनिवर्सिटी क्रिकेट बोर्ड
- कॉर्पोरेट/क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजक

माँग (2026)

भारत में क्रिकेट सबसे लोकप्रिय खेल है और घरेलू (रणजी, आयु-वर्ग), महिला क्रिकेट, आईपीएल तथा अन्य लीगों में मैचों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे प्रशिक्षित व निष्पक्ष अंपायरों की स्थायी माँग रहती है। शीर्ष पर पहुँचने की प्रतिस्पर्धा कठिन है पर राज्य व घरेलू स्तर पर योग्य अंपायरों के लिए अवसर लगातार बने रहते हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. क्लब / जिला-स्तर अंपायर
2. राज्य क्रिकेट संघ पैनल अंपायर
3. बीसीसीआई पैनल अंपायर (घरेलू, रणजी स्तर)
4. आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल अंपायर

5 आईसीसी एलीट पैनल अंपायर (सर्वोच्च स्तर)

कमाई

शुरुआत	राज्य/जूनियर मैच ₹2,000–5,000/दिन के आसपास
मध्य स्तर	बीसीसीआई घरेलू अंपायर ₹30,000–40,000/दिन (4-दिन मैच ₹1.2–1.6 लाख)
वरिष्ठ स्तर	आईसीसी एलीट पैनल लगभग ₹75 लाख–₹1.7 करोड़/वर्ष

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बीसीसीआई घरेलू अंपायरों को प्रति दिन लगभग ₹30,000–40,000 (एक 4-दिन के रणजी मैच में करीब ₹1.2–1.6 लाख) मिलते हैं, जबकि राज्य/जूनियर स्तर पर आय बहुत कम रहती है। आईसीसी एलीट पैनल अंपायर की सालाना आय (रिटेनर + प्रति मैच फीस) लगभग ₹75 लाख से ₹1.7 करोड़ तक बताई जाती है; टेस्ट/वनडे/टी20 की प्रति मैच फीस अलग-अलग होती है। आधिकारिक आँकड़े प्रकाशित नहीं होते, ये अनुमान सत्यापित मीडिया स्रोतों पर आधारित हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- क्रिकेट में रहकर, खिलाड़ी न होते हुए भी, खेल के केंद्र में रहने का मौका
- शीर्ष (बीसीसीआई/आईसीसी) पर पहुँचने पर उच्च आय, सम्मान और यात्रा
- महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए बढ़ते व समान अवसर

चुनौतियाँ

- शीर्ष तक पहुँचने में कड़ी प्रतिस्पर्धा और लंबे साल लगते हैं
- पूरे दिन खड़े रहना, यात्रा और मौसमी/अनियमित आय
- गलत फ़ैसले पर सार्वजनिक आलोचना और भारी दबाव

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Nitin Menon
आईसीसी एलीट पैनल अंपायर (भारत के इंदौर से)

मध्य प्रदेश के इंदौर में जन्मे नितिन मेनन ने पहले मध्य प्रदेश के लिए लिस्ट-ए क्रिकेट खेला, फिर अपने पिता (जो स्वयं अंपायर थे) की तरह अंपायरिंग को अपनाया। घरेलू क्रिकेट से आगे बढ़ते हुए 2017 में उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच किया और जून 2020 में मात्र 36 वर्ष की उम्र में वे आईसीसी की प्रतिष्ठित एलीट पैनल में शामिल होने वाले तीसरे भारतीय अंपायर बने। वे दर्जनों टेस्ट, वनडे व टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच तथा टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल-फ़ाइनल कर चुके हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि खिलाड़ी न बन पाने पर भी क्रिकेट के नियमों में महारत हासिल कर सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचा जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Nitin_Menon

Vrinda Rathi

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर; आईसीसी वर्ल्ड कप फ़ाइनल में ऑन-फ़ील्ड अंपायर करने वाली पहली भारतीय महिला

नवी मुंबई की वृंदा राठी पहले मुंबई विश्वविद्यालय के लिए मीडियम-पेस गेंदबाज़ और स्कोरर थीं, फिर एक पूर्व बीसीसीआई अंपायर के प्रोत्साहन पर उन्होंने अंपायरिंग को करियर बनाया। उन्होंने 2014 में मुंबई क्रिकेट संघ की अंपायर परीक्षा पास की, 2018 में बीसीसीआई सर्टिफिकेशन और 2020 में आईसीसी डेवलपमेंट पैनल में जगह पाई। दिसंबर 2023 में वे महिला टेस्ट मैच में अंपायरिंग करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, और जुलाई 2026 में लॉर्ड्स पर आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप फ़ाइनल में ऑन-फ़ील्ड अंपायर करने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया। उनकी कहानी लड़कियों के लिए प्रेरणा है कि अंपायरिंग में भी शीर्ष तक पहुँचा जा सकता है।

Female Cricket · https://femalecricket.com/icc-womens-t20-world-cup-2026/93444-vrinda-rathi-becomes-first-indian-woman-on-field-umpire-in-icc-world-cup-final.html

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – अंपायर (क्रिकेट) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%9f-umpire/

2. बीसीसीआई – आधिकारिक वेबसाइट — https://www.bcci.tv/

3. बीसीसीआई अंपायर बनने की प्रक्रिया (गाइड) — https://cricketresolved.com/how-to-become-a-bcci-umpire-in-india/

4. क्रिकस्कोप – अंपायर सैलरी 2026 — https://thecricscope.com/cricket-statistics/umpire-salary/

5. ईएसपीएनक्रिकइन्फो – भारतीय अंपायरों की मैच फीस — https://www.espncricinfo.com/story/india-s-umpires-to-receive-higher-match-fees-than-domestic-players-1148224

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in